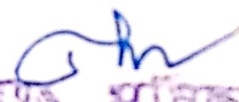


क्र. सं.

दिनांक आज्ञा
या कार्यवाही

२९/०५/२०२५

पत्रावली पैसा हुई। बगील छाया ३००।
 मूल बाद प्राथमिक डिप्टी किया जा चुका
 है। वरस मुक्ति जाकर पत्रावली का
 अंशोक्त, मन्त्र किया गया। १-२ मूल
 बाद के अंशोक्त निरन्तर एक कर्म की
 जाती है। पत्रावली फलल मुक्ति होकर
 बाद तकमिल दाखिल हफ्तर है। विदेश
 खुले न्यायालय में सुनाया जाकर मरे
 हस्ताक्षर व न्यायालय मुक्ति से जारी
 किया गया।


 उपरिष्ठ अधिकारी
 बीमार लेक (जयपुर)

